يَـٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ لَا تَقۡرَبُواْ ٱلصَّلَوٰةَ وَأَنتُمۡ سُكَٰرَىٰ حَتَّىٰ
تَعۡلَمُواْ مَا تَقُولُونَ وَلَا جُنُبًا إِلَّا عَابِرِي سَبِيلٍ حَتَّىٰ
تَغۡتَسِلُواْۚ وَإِن كُنتُم مَّرۡضَىٰٓ أَوۡ عَلَىٰ سَفَرٍ أَوۡ جَآءَ أَحَدٞ
مِّنكُم مِّنَ ٱلۡغَآئِطِ أَوۡ لَـٰمَسۡتُمُ ٱلنِّسَآءَ فَلَمۡ تَجِدُواْ مَآءٗ
فَتَيَمَّمُواْ صَعِيدٗا طَيِّبٗا فَٱمۡسَحُواْ بِوُجُوهِكُمۡ وَأَيۡدِيكُمۡۗ إِنَّ
ٱللَّهَ كَانَ عَفُوّٗا غَفُورًا ﴿٤٣﴾ أَلَمۡ تَرَ إِلَى ٱلَّذِينَ أُوتُواْ نَصِيبٗا مِّنَ
ٱلۡكِتَٰبِ يَشۡتَرُونَ ٱلضَّلَٰلَةَ وَيُرِيدُونَ أَن تَضِلُّواْ ٱلسَّبِيلَ ﴿٤٤﴾
وَٱللَّهُ أَعۡلَمُ بِأَعۡدَآئِكُمۡۚ وَكَفَىٰ بِٱللَّهِ وَلِيّٗا وَكَفَىٰ بِٱللَّهِ نَصِيرٗا
﴿٤٥﴾ مِّنَ ٱلَّذِينَ هَادُواْ يُحَرِّفُونَ ٱلۡكَلِمَ عَن مَّوَاضِعِهِۦ وَيَقُولُونَ
سَمِعۡنَا وَعَصَيۡنَا وَٱسۡمَعۡ غَيۡرَ مُسۡمَعٖ وَرَٰعِنَا لَيَّۢا بِأَلۡسِنَتِهِمۡ
وَطَعۡنٗا فِي ٱلدِّينِۚ وَلَوۡ أَنَّهُمۡ قَالُواْ سَمِعۡنَا وَأَطَعۡنَا وَٱسۡمَعۡ
وَٱنظُرۡنَا لَكَانَ خَيۡرٗا لَّهُمۡ وَأَقۡوَمَ وَلَـٰكِن لَّعَنَهُمُ ٱللَّهُ
بِكُفۡرِهِمۡ فَلَا يُؤۡمِنُونَ إِلَّا قَلِيلٗا ﴿٤٦﴾ يَـٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ أُوتُواْ
ٱلۡكِتَٰبَ ءَامِنُواْ بِمَا نَزَّلۡنَا مُصَدِّقٗا لِّمَا مَعَكُم مِّن قَبۡلِ أَن
نَّطۡمِسَ وُجُوهٗا فَنَرُدَّهَا عَلَىٰٓ أَدۡبَارِهَآ أَوۡ نَلۡعَنَهُمۡ كَمَا لَعَنَّآ
أَصۡحَٰبَ ٱلسَّبۡتِۚ وَكَانَ أَمۡرُ ٱللَّهِ مَفۡعُولًا ﴿٤٧﴾ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يَغۡفِرُ
أَن يُشۡرَكَ بِهِۦ وَيَغۡفِرُ مَا دُونَ ذَٰلِكَ لِمَن يَشَآءُۚ وَمَن يُشۡرِكۡ
بِٱللَّهِ فَقَدِ ٱفۡتَرَىٰٓ إِثۡمًا عَظِيمًا ﴿٤٨﴾ أَلَمۡ تَرَ إِلَى ٱلَّذِينَ يُزَكُّونَ
أَنفُسَهُمۡۚ بَلِ ٱللَّهُ يُزَكِّي مَن يَشَآءُ وَلَا يُظۡلَمُونَ فَتِيلًا ﴿٤٩﴾

ٱنظُرۡ كَيۡفَ يَفۡتَرُونَ عَلَى ٱللَّهِ ٱلۡكَذِبَۖ وَكَفَىٰ بِهِۦٓ إِثۡمٗا مُّبِينًا ٥٠

Theme	
Purity, Conscious Prayer, and Warning against Hypocrisy: Prohibition of drinking liquor - (second order). Tayammum. Behavior of the People of the Book. Invitation of Iman to the People of the Book. Mushrikin will not be forgiven.	पाकीज़गी, शुऊरी नमाज़ और निफ़ाक़ से तंबीह। शराब नोशी की मुमानिअत (दूसरा हुक्म)। तयम्मुम। अहल-ए-किताब का तर्ज़-ए-अमल। अहल-ए-किताब को ईमान की दावत। मुश्रिकीन की मग़फ़िरत नहीं होगी।
Tarjumani	
O believers! Do not offer Salah (prayer) when you are drunk until you are able to understand what you are saying; nor after seminal emission, except when you are travelling, unless you wash your whole body. If you are sick, or on a journey, or one of you has used the toilet, or has had contact with women (sexual relation with wives) and can find no water, then make Tayammum: take some clean earth and rub your faces and hands with it. Allah is Oft-Pardoning. Oft - Forgiving. Have you not considered the case of those to whom a portion of the Book was given? They purchased error for themselves and wish to see you lose the Right Way. Allah knows your enemies very	ऐ लोगो जो ईमान लाए हो, जब तुम नशे की हालत में हो तो नमाज़ के क़रीब न जाओ	अमाज़ उस वक़्त पढ़नी चाहिए जब तुम जानो कि क्या कह रहे हो	और इसी तरह जनाबत की हालत में भी नमाज़ के क़रीब न जाओ जब तक कि गुस्ल न कर लो, इल्ला यह कि रस्ते से गुज़रते हो	और अगर कभी ऐसा हो कि तुम बीमार हो, या सफ़र में हो, या तुममें सर कोई शख्स रफए-हजात करके आए, या तुमने औरतों को लम्स किया किया हो, और फिर पानी न मिले तो पाक मिट्टी से काम लो और उससे अपने चेहरों और हाथों पर मसह कर लो, बेशक अल्लाह नर्मी से काम लेनेवाला और बखशिश फरमानेवाला है	तुमने उन लोगों को भी देखा जिन्हें किताब के इल्म का कुछ हिस्सा दिया गया है? वे ख़ुद ज़लालत के ख़रीदार बने हुए हैं और चाहते हैं कि तुम भी राह गुम कर दो	अल्लाह तुम्हारे दुश्मनों को ख़ूब

well. Sufficient is Allah to protect you, and Sufficient is Allah to help you. Among the Jews there are some who take the words out of their context and utter them with a twist of their tongues to slander the true Deen (faith) and say: "We hear and we disobey;" and "Hear, may you (O Muhammad) hear nothing!" And Raina (an ambiguous word meaning: "listen, may you become deaf," or "our shepherd," or "in judeo - Arabic language conveying the sense of "our evil one"). If only they had said: "We hear and we obey;" and "Hear us;" and Unzurna ("look upon us," or "pay attention to us"): it would have been better for them and more proper. Due to all this Allah has cursed them for their unbelief. In fact, with the exception of a few, they have no faith. O people of the Book (Jews and Christians)! Believe in what We have revealed (The Quran), confirming your own scriptures, be-fore We obliterate your faces and turn them backward, or lay Our curse on you as We laid Our curse on the Sabbath-breakers: and re-member that Allah's command is always executed. Surely, Allah does not forgive shirk (associating any partner with Him); and may forgive sins other than that if He so pleases. This is because one who commits shirk with Allah, does

जानता है और तुम्हारी हिमायत और मददगारी के लिए अल्लाह ही काफ़ी है | जिनलोगों ने यहूदियत का तरीका इखतियार किया है उनमें कुछ लोग हैं जो अलफ़ाज़ को उनके महल से फेर देते हैं, और दिने-हक़ के ख़िलाफ़ नैश-जनी करने के लिए अपनी ज़बानों को तोड़-मोड़कर कहते हैं, "समिअना व असैना" और "इस-मअ गै-र मुस-मइन" और "रइना" हालाँकि अगर वे कहते "समिअना व अतअना" और "इस-मअ" और "उनज़ुरना" तो यह उन्हीं के लिए बेहतर था और ज़्यादा रास्त-बाज़ी का तरीका था | मगर उनपर तो उनकी बातिलपरस्ती की बदौलत अल्लाह की फिटकार पड़ी हुई है | इसलिए वे कम ही ईमान लातें हैं | ऐ वे लोगो! जिन्हें किताब दी गई थी, मान लो इस किताब को जो हमने अब नाज़िल की है और जो उस किताब की तस्दीक व ताईद करती है जो तुम्हारे पास पहले से मौजूद थी | इसपर ईमान ले आओ क़ब्ल इसके कि हम चेहरे बिगाड़कर पीछे फेर दें या उनको उसी तरह लानतज़दा कर दें जिस तरह सब्तवालों के साथ हमने किया था, और याद रखो कि अल्लाह का हुक्म नाफ़िज़ होकर रहता है | अल्लाह बस शिर्क ही को माफ़ नहीं करता, इसके मासिवा दूसरे जिस कद्र गुनाह हैं, वह जिसके लिए चाहता है माफ़ कर देता है | अल्लाह के साथ जिसने किसी और को शरीक ठहराया उसने तो बहुत ही बड़ा झूट तसनीफ़ किया, और बड़े सख्त गुनाह की बात की | तुमने उन लोगों को भी देखा जो बहुत अपनी पाकीज़गी-ए-नफ्स का दम भरते हैं? हालाँकि पाकीज़गी तो अल्लाह ही जिसे

indeed invent a great sinful lie. Have you not seen those who speak very highly of their own purity even though they are committing shirk. In fact, Allah purifies whom He wishes, and they will not be dealt with injustice, even equal to the thread in the cleft of a date-stone. See how they invent a lie against Allah, and this in itself is enough to show their manifest sin.	चाहता है अता करता है, और (इन्हें जो पाकीज़गी नहीं मिलती तो दरहकीकत) इनपर ज़र्रा बराबर जुल्म नहीं किया जाता। देखो तो सही, ये अल्लाह पर भी झूठे इफतरा घड़ने से नहीं चुकते और इनके सरीहन गुनाहगार होने के लिए यही एक गुनाह काफ़ी है।
Tafsir	